आत्मविवरण

नाम : डॉ0 अशोक कुमार
पिता का नाम : श्री भाग सिंह
माता का नाम : स्व श्री मती बुद्धि देवी
जन्म तिथि : 14 - 11 - 1970
स्थायी पता : गॉव क्वॉग ,डाकखाना मूरिंग ,उपतहसील उदयपुर ,थाना जहालमा ,ज़िला लाहौल स्पिति (हि0 प्र0)
पिन न0 :– 175139, **दूरभाष** :–01909246015, **दूरध्वनि** :–09459885922 ,08894535331 **ई मेल** :– drashokhindi@gmail.com

शैक्षणिक योग्यता :

क्रम संख्या	कक्षा	बोर्ड /विश्वविद्यालय	वर्ष	अंक प्रतिशत	श्रेणी
1.	दसवी	हि0 प्र0 बोर्ड ,धर्मशाला	1987	53%	द्वितीय
2.	10+2	हि0 प्र0 बोर्ड ,धर्मशाला	1990	48%	तृतीय
3.	स्नातक (B.A.)	हि0 प्र0 विश्वविद्यालय ,शिमला	1993	53%	द्वितीय
4.	स्नातकोत्तर (M.A.)	पंजाब विश्वविद्यालय ,चण्डीगढ़	1995	60%	प्रथम
5.	स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा	पंजाब विश्वविद्यालय ,चण्डीगढ़	1995	73%	प्रथम
6.	पी.एच.डी.	पंजाब विश्वविद्यालय ,चण्डीगढ़	2001	सुन्दरदास के काव्य में मानव मूल्य	

संस्था का नाम	**पद**	**अवधि**
राजकीय महाविद्यालय कुकुमसेरी	**सहायक प्राध्यापक**	4–10–1996 से 20–06–2012
राजकीय महाविद्यालय कुल्लू	**सहायक प्राध्यापक**	21–06–2012 से 25–07–2014
राजकीय महाविद्यालय गाडागुशैणी	**सहायक प्राध्यापक (प्रतिनियुक्ति पर)**	26–07–2014 से 21–01–2015
राजकीय महाविद्यालय कुल्लू	**सहायक प्राध्यापक**	22–01–2015 से 12–06–2015
राजकीय महाविद्यालय पनारसा	**सहायक प्राध्यापक**	13–06–2015 से 30–03–2017
राजकीय महाविद्यालय कुल्लू	**सहायक प्राध्यापक**	31–03–2017 से 12–04–2021
राजकीय महाविद्यालय बन्जार	**सहायक प्राध्यापक**	13–04–2021 से वर्तमान तक

अध्यापन अनुभव :– हि0 प्र0 विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में 25 वर्षों का अनुभव। वर्तमान समय में राजकीय महाविद्यालय बन्जार (हि0 प्र0) में कार्यरत।

प्रकाशन :

क्रम संख्या	पुस्तक का नाम	प्रकाशक का नाम	वर्ष	ISBN संख्या
1.	नव भोर की नव रश्मि (काव्य संग्रह)	अरूण प्रकाशन ,चण्डीगढ़	2007	978-81-8048-105-5
2.	समतामूलक दर्शन के प्रस्तोता : संत सुन्दरदास (समीक्षात्मक)	अरूण प्रकाशन ,चण्डीगढ़	2007	81-8048-104-2
3.	प्रशासनिक हिन्दी	अरूण प्रकाशन ,चण्डीगढ़	2011	978-81-8048-160-4
4.	रोशन हो जहान रोशनी से(काव्य संग्रह)	अरूण प्रकाशन ,चण्डीगढ़	2012	978-81-8048-182-6
5.	ध्रुवस्वामिनी : एक समीक्षात्मक मूल्यॉकन	अरूण अरूण प्रकाशन ,चण्डीगढ़	2012	978-81-8048-181-9
6.	चन्द्रभागा में एक बूँद	एनके इंटरप्राइजेज	2015	978-81-89331-44-3

7.	संवेदना के पथ पर (हाइकु)	के एल पचौरी प्रकाशन	2018	978-81-935889-5-6
8.	समय से संवाद (काव्य संग्रह)	न्यू ईरा, चण्डीगढ़	2018	978-81-290-0193-1
9.	आधुनिक साहित्य चिंतन	एनके इंटरप्राइजेज	2020	978-81-89331-99-3
10	हृदय वाणी (हाइकु) (प्रेस में)			
11.	हिन्दी व्याकरण (प्रेस में)			

सम्पादित पुस्तक में लेख:–

क्रम संख्या	पुस्तक का नाम	शीर्षक	प्रकाशक का नाम	सम्पादक	वर्ष	ISBN No.
1.	संत काव्य के विविध आयाम	सुन्दरदास के काव्य में नैतिकता	अरूण प्रकाशन ,चण्डीगढ़	डॉ0 अशोक कुमार	2011	978-81-8048-166-6
2.	वैश्वीकरण के दौर में हिन्दी	हिन्दी राष्ट्र भाषा से अंतर्राष्ट्रीय भाषा की ओर	निर्मल प्रकाशन ,दिल्ली	डॉ0 सुखदेव सिंह	2011	81-86400-145-X
3.	मीडिया साहित्य, समाज एवं सरोकार	मीडिया और जनमानस	अक्षरधाम प्रकाशन	डॉ0 दयानन्द गौतम	2013	978-93-82341-86-4
4.	स्त्री विमर्श बनाम नारी अस्मिता	इक्कीसवीं सदी में नारी का वैश्विक आदर्श	अरूण प्रकाशन ,चण्डीगढ़	डॉ0 अशोक सभ्रवाल	2013	978-81-8048-233-5
5.	साहित्यिक परिदृश्य की चुनौतियॉ और दलित साहित्य	हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श	अरूण प्रकाशन ,चण्डीगढ़	डॉ0 अशोक सभ्रवाल	2013	978-81-8048-252-6
6.	रामविलास शर्मा का आलोचनात्मक संसार	डॉ0 राम विलास शर्मा और मानववाद	अरूण पब्लिशिंग हाऊस, चण्डीगढ़	डॉ कशमीरी लाल	2014	978-81-8048-265-6
7.	मीडिया और हिन्दी	हिन्दी भाषा के विकास में मीडिया का योगदान	न्यू ईरा	डॉ0 अशोक सभ्रवाल	2015	978-81-290-0125-2
8.	भारतीय सिनेमा और नारी	भारतीय सिनेमा और नारी अस्मिता	नवभारत प्रकाशन	डॉ0 दयानन्द गौतम/ डॉ कामना महिन्दु	2015	978-93-82119-30-2
9.	सन्त रविदास	संत रविदास की वाणी में सामाजिक चेतना	अरूण पब्लिशिंग हाऊस, चण्डीगढ़	डॉ0 अशोक सभ्रवाल	2015	978-81-8048-273-1
10.	सिनेमा और सामाजिक सरोकार	सिनेमा और सामाजिक सरोकार	नवभारत प्रकाशन	डॉ0 दयानन्द गौतम/ डॉ कामना महिन्दु	2015	978-93-82119-31-9
11.	जीवन, साहित्य एवं कला में राम	भारतीय समाज और राम	निर्मल पब्लिकेशन	डॉ0 अशोक कुमार शर्मा, डॉव रूपा ठाकुर	2018	978-81-86400-346-X
12.	मानव मूल्य और सामाजिक सरोकार	संत साहित्य में मानव मूल्य	सानिया पब्लिकेशन	डॉ0 दयानन्द गौतम, डॉ0 इन्द्र सिंह ठाकुर	2018	978-81-907122-0-0

13.	किसान विमर्श : विविध आयाम	भारतीय कृषक और हिन्दी उपन्यास	गीना प्रकाशन	सुशील कुमार भगत	2019	978-81-936150-5-8
14.	लेक साहित्य और सस्कृति	लोक साहित्य वैश्विक परिप्रेक्ष्य में	गीना प्रकाशन	डॉ0 सारिका जैन	2019	978-81-936150-8-9
15.	शिक्षा साहित्य . संस्कृति एवं लोक दृ संस्कृति	लाहौली संस्कृति में लोक गीतों का महत्त्व	साहित्य भूमि	डॉ0 सुमन कुमारी	2018	978-93-88583-69-5

शोध पत्र :–

कम संख्या	शीर्षक	पत्रिका का नाम	अंक/ Volume	वर्ष	ISSN No.
1.	सुन्दरदास के काव्य में सामाजिक चेतना	हाइफन ,शिमला (हि0प्र0)	1	जनवरी 2010	0975-2897
2.	अमेन्द्र सिंह बहादुर के काव्य में मानव मूल्य	रिसर्च लिंक ,इन्दौर (म0प्र0)	IX	फरवरी 2011	0973-1628
3.	हिन्दी भाषा के विकास में प्रवासी भारतीयों का योगदान	HUMANITIES & SOCIAL SCIENCE INTERDISCIPLINARY APPROACH, NAGPUR (M.S.)	03	जून 2011	0975-7090
4.	सुन्दरदास के काव्य में आध्यात्मिक मूल्य	ANUSILANA (BANARAS HIDU UNIVERSITY) VARANASI (U.P.)	XXXV	2011	0973-8762
5.	लाहौली लोक गीतों में सामाजिक चेतना : एक अवलोकन	शिखर सामायिक ,षिमला (हि0प्र0)	1	सितम्बर 2011	22499199
6.	अमेन्द्र सिंह बहादुर के काव्य में पर्यावरण चेतना : एक अध्ययन	ANUSILANA (BANARAS HIDU UNIVERSITY) VARANASI (U.P.)	XXXIX	2012	0973-8762
7.	"ध्रुवस्वामिनी" नाटक के नारी पात्रों में सामाजिक चेतना	Vaichariki A Multidisciplinary International Research Journal (U.P.)	II	मार्च 2012	2229-8907
8.	वैश्विक परिप्रेक्ष्य में दूरस्थ शिक्षा की प्रासंगिकता	इंण्डियन जर्नल ऑफ सोशल कन्सर्न्स,गाजियाबाद (उ0 प्र0)	2	अप्रैल 2012	2231-5837
9.	इक्कीसवीं सदी में शिक्षा की गुणवत्ता : एक अध्ययन	रिसर्च लिंक ,इन्दौर (म0प्र0)	XI(3)	मई 2012	0973-1628
10.	संत काव्य में गु: की महता	युगशिल्पी गाजियाबाद (उ0 प्र0)	10	मार्च - अगस्त 2012	0975-4644
11.	डॉ0 लक्ष्मी नारायण शर्मा के काव्य में मानवीय संवेदना	परिप्रेक्ष्य , वाराणसी (उ0 प्र0)	III	2012	2278-0602
12.	संत रविदास की वाणी में मानववाद : एक मूल्यांकन	रिसर्च लिंक ,इन्दौर (म0प्र0)	XI(8)	अक्तूबर 2012	0973-1628
13.	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सहजो वाणी की प्रासंगिकता	रिसर्च लिंक	XII(4)	जून 2013	0973-1628
14.	अमीर खुसरो का हिन्दी काव्य : एक अध्ययन	रिसर्च लिंक	XII(5)	जुलाई 2013	0973-1628
15.	राष्ट्रवाद बनाम आंतकवाद	रिसर्च लिंक	XII(7)	सितम्बर 2013	0973-1628
16.	भौतिकवाद युग में बौद्ध दर्शन की प्रांसगिकता	परिप्रेक्ष्य , वाराणसी (उ0 प्र0)	VI	2013	2278-0602

17.	पुनर्जागरण काल के जनक भारतन्दु युग	ANUSILANA (BANARAS HIDU UNIVERSITY) VARANASI (U.P.)	XLIX	2013	0973-8762
18.	पारिवारिक परिप्रेक्ष्य के सन्दर्भ में नारी सशक्तिकरण	परिप्रेक्ष्य ,वाराणसी (उ0 प्र0)	VII	मई 2013	2278-0602
19.	रैदास वाणी में बौद्व दर्शन का प्रभाव	रिसर्च लिंक	XII	जनवरी 2014	0973-1628
20.	मनवतावाद के संदर्भ में पलटूदास के वाणी की प्रासंगिकता	परिप्रेक्ष्य ,वाराणसी (उ0 प्र0)	IX	2014	2278-0602
21.	भारत में शिक्षा का स्वरूप : एक अध्ययन	INDIAN MULTIDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL (M.S)	2	जनवरी 2014	2320-7434
22	शुभ दर्शन के काव्य में नारी विषयक अवधारणा	कश्फ	1	सितम्बर 2014	2231-3869
23	मीडिया के नए आयाम	ANUSILANA	LIX	2014	0973-8762
24	खान खाना अब्दुर्रहीम के काव्य में भाव विविधता	परिप्रेक्ष्य	XIV	2014	2278-0602
25	लाहौली लोक जीवन में प्रचलित त्योहार और संस्कार	परिप्रेक्ष्य	XVII	2015	2278-0602
26	सोजे वतन अर्थात् देश का दर्द	ANUSILANA	LXIII	2015	0973-8762
27	संत साहित्य में सामाजिक चेतना	रिसर्च लिंक	XV(8)	अक्तूबर 2016	0973-1628
28	समकालीन हिन्दी कविता में सामाजिक सरोकार	ANUSILANA	LXXIV	2017	0973-8762
29	मीराबाई के काव्य में भक्ति भावना	मीरायन	41	मार्च– मई 2017	2455-6033
30	गुरू नानक देव : एक दिव्य पुरूष	परिप्रेक्ष्य	XXIV	2017	2278-0602
31	राष्ट्रवाद, राष्ट्रभाषा और हिन्दी	बोहल शोध मंजूषा, भिवानी		सितम्बर 2018	2395-7115
32	आधुनिकतावाद के परिप्रेक्ष्य में विज्ञापन और हिन्दी	रिसर्च लिंक	XVII	अक्तूबर 2018	0973-1628
33	वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हाइकु का परिचय, विकास एवं प्रासंगिकता	रिसर्च लिंक	XVII(10)	दिसम्बर 2018	0973-1628
34	अटल बिहारी बाजपेयी के काव्य में मानववाद	ANUSILANA	LXXX	2018	0973-8762
35	प्रेम और भक्ति की प्रतिमूर्ति : मीराबाई	मीरायन	4	दिसम्बर 2018– फरवरी 2019	2455-6033

36	सहजोबाई की भक्ति भावना	बोहल शोध मंजूषा, भिवानी	10, Issue 2	2019	2395-7115

प्रस्तुत शोध पत्र :– 1:- राजकीय महाविद्यालय, हरिपुर (मनाली) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 21 दिसम्बर 2012 को **"मीडिया और जनमानस"** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

2: - भीलवाडा (राजस्थान) में STATE FEDERATION OF UNESCO ASSOCIATIONS द्वारा आयोजित राश्ट्रीय संगोश्ठी में 21 अप्रैल 2013 को **''सुन्दर दास के काव्य में जीवन प्रेरक मूल्य ''** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

3: - राजकीय महाविद्यालय, कुल्लू (हि0 प्र0) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 04 दिसम्बर 2013 को **'' सिनेमा और सामाजिक सरोकार ''** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

4 :- शासकीय स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, गुना (म0 प्र0) द्वारा आयोजित राश्ट्रीय संगोष्ठी में **हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा एवं श्रीकृष्ण '' सरल ''** विषय पर प्रस्तुत शोध पत्र।

5:- डी0 ए0 वी0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय चण्डीगढ द्वारा 1 मार्च 2014 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में **डॉ0 रामविलास शर्मा और उनका आलोचना संसार** में दिया गया अध्यक्षीय भाषण ।

6:- राजकीय महाविद्यालय, कुल्लू (हि0 प्र0) द्वारा आयोजित अंतर्राश्ट्रीय संगोष्ठी में 22 सितम्बर 2014 को **''भारतीय सिनेमा और नारी अस्मिता ''** विषय पर प्रस्तुत शोध पत्र ।

7:- राजथान इन्टरनेशनल फिल्म फस्टीवल जयपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 28 अक्तूबर 2014 **'' सिनेमा और सामाजिक सरोकार ''** विषय पर प्रस्तुत शोध पत्र ।

8:- हिन्दी–विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्टी में 27 मार्च 2015 को **''संत सुन्दरदास की वाणी में सांस्कृतिक वैविध्य''** विषय पर विषय विशेषज्ञ भाषण।

9:- राजकीय महाविद्यालय, सैज, जिला कुल्लू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्टी 24 फरवरी 2017 को '' रोजगार के सन्दर्भ पर्यटन की प्रांसगिकता'' विषय शोध पत्र।

10:- हिन्दी विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 8–9 सितम्बर 2017 को भूमण्डलीकरण हिन्दी का स्वरूप विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया तथा सत्राध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

11:- स्नातकोत्तर राजकीय महाविद्यालय, चण्डीगढ एवं अयोध्या शोध संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 17–18 नवम्बर, 2017 को '' भारतीय समाज और राम '' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

12:- रूपी– सिराज कला मंच द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 2–3 मार्च 2018 को संत **'' साहित्य में मानव मूल्य ''** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

13:- रूपी– सिराज कला मंच द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 09.10 सितम्बर 2019 को **''भाषा संस्कृति का लोक पर्याय''** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

14:- साहित्य मण्डल श्रीनाथद्वारा (राजस्थान) द्वारा अयोजित त्रि–दिवसीय हिन्दी उपनिषद् राष्ट्रीय संगोष्ठी में '' **वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी भाषा का योगदान''** विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सम्मान :– 14,15 एवं 16 सितम्बर 2019 को त्रि–दिवसीय **हिन्दी लाओ– देश बचाओ समारोह** में ''**हिन्दी भाषा भूषण''** की मानव उपाधि से सम्मानित।

पत्राचार पता :– डॉ0 अशोक कुमार S/O श्री भाग सिंह गॉव घराकड, डाकघर पुईद, ज़िला कुल्लू (हि0प्र0) पिन 175101

घोषणा :– मैं एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि उपर्युक्त जो भी सूचनायें लिखित हैं ,मेरे अनुसार सटीक और तर्क संगत हैं।

हस्ताक्षर

दिनॉकः 17–05–2021

(डॉ0 अशोक कुमार)